दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार, 10 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 191

केंद्र ने 50 कृषि उत्पादों के लिए सांचा का निर्माण किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। माल भाड़े की उच्च दरों, कंटेनरों की कमी आदि के रूप में कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न लॉजिस्ट्क्सि संबंधी चुनौतियों के बावजूद, भारत का कृषि निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 50 बिलियन डॉलर के आगे पहुंच गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कार्य करता है, ने 25.6 बिलियन डॉलर के बराबर के, जो 50 बिलियन डॉलर के भारत के कुल कृषि निर्यात का 51 प्रतिशत है, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात करने के माध्यम से एक नया इतिहास रच दिया है।

इसके अतिरिक्त, एपीडा ने 25.6 बिलियन डॉलर का निर्यात दर्ज कराने के द्वारा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 23.7 बिलियन डॉलर के अपने खुद के निर्यात लक्ष्य को भी पार कर लिया है।

डीजीसीआईएंडसी द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कृषि निर्यात 19.92 प्रतिशत बढक़र 50.21 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि दर उल्लेखनीय है क्योंकि यह वित्त वर्ष 2020-21 में अर्जित 41.87 बिलियन डॉलर में 17.66 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है और माल भाड़े की उच्च दरों, कंटेनरों की कमी आदि के रूप में कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न अभूतपूर्व लॉजिस्ट्क्सि संबंधी चुनौतियों के बावजूद अर्जित की गई है। एपीडा अनुसूची उत्पादों के निर्यात को ग्राफ-1 से देखा जा सकता है। यह चालू वर्ष, 2021-22 तथा पिछले वर्ष 2020-21 के लिए एपीडा उत्पादों के तुलनात्मक निर्यात को दर्शाता है। एपीडा निर्यातों में अनाज सेक्टर ने वित्त वर्ष 2021-22 में 52 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। वित्त वर्ष 2021-22 में पशु धन उत्पादों तथा अन्य प्रसंस्कृत खाद्यों का क्रमश: 17 प्रतिशत और 15 प्रतिशत का योगदान है।

पिछले दो वर्षों के दौरान हुई ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय को बढ़ाने के विजन में दीर्घकालिक रूप से सहायता करेगी।

कुल कृषि निर्यातों की तुलना में, एपीडा के निर्यात में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जब इसने 2020-21 के 22.03 बिलियन डॉलर की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में 25.6 बिलियन डॉलर के आंकड़े को छू लिया। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान एपीडा उत्पादों (30 प्रतिशत से अधिक) द्वारा दर्ज की गई उच्चतम वृद्धि दर ग्राफ-2 से देखी जा सकती है।

डीजीसीआईएंडसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान चावल का निर्यात 9654 मिलियन डॉलर के साथ शीर्ष विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला था जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.35 प्रतिशत बढ़ कर 8829 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया था।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान गेहूं के निर्यात ने 2118 मिलियन डॉलर के साथ सर्वकालिक ऊंचाई को छू लिया था जो वित्त वर्ष 2020-21 जब इसने 567 मिलियन डॉलर तक पहुंचा था, की तुलना में 273 प्रतिशत बढ़ गया। अन्य अनाज ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में जब इसने 705 मिलियन डॉलर अर्जित किया था, की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1083 मिलियन डॉलर अर्जित करने के द्वारा 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई।

दलहनों के निर्यात ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 34 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज कराते हुए 358 मिलियन डॉलर अर्जित किया जो वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 265 मिलियन डॉलर था।

वित्त वर्ष 2021-22 में डेयरी उत्पाद 96 प्रतिशत बढ़ कर 634 मिलियन डॉलर तक पहुंच गए जो वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 323 मिलियन डॉलर थे। भैंस के मांस के निर्यात ने केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई जबकि गोजातीय मांस का निर्यात वित्त वर्ष 2020-21 के 3171 मिलियन डॉलर की तुलना में बढ़ कर वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 3303 मिलियन डॉलर तक पहुंच गए।

पोल्ट्री उत्पादों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 58 मिलियन डॉलर की तुलना में बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 71 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया तथा भेंड़/बकरे के मांस का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 44 मिलियन डॉलर की तुलना में 34 प्रतिशत बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 60 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

फलों तथा सब्जियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 1492 मिलियन डॉलर की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1676 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि प्रसंस्कृत फलों तथा सब्जियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 1120 मिलियन डॉलर की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1202 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

अन्य प्रसंस्कृत खाद्य मदों के निर्यात में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 34 प्रतिशत की बढोतरी हुई जो वित्त वर्ष 2020-21 के 866 मिलियन डॉलर की तुलना में बढक़र 1164 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। काजू के निर्यात में भी वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 7 प्रतिशत की बढोतरी हुई जो वित्त वर्ष 2020-21 के 420 मिलियन डॉलर की तुलना में बढक़र 452 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। पुष्प कृषि उत्पादों के निर्यात में 33 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गई जब यह वित्त वर्ष 2020-21 के 77 मिलियन डॉलर की तुलना में बढक़र 103 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

महत्वपूर्ण एवं खास

गोवा मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार तीन और मंत्री शामिल

पणजी (आरएनएस)। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए तीन और मंत्रियों को शामिल किया। नए मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वालों में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के सुभाष फलदेसाई और नीलकंठ हरलार्नकर तथा महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी(एमजीपी) के सुदीन धवलीकर शामिल हैं। राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने राजभवन में मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ ही प्रमोद सावंत नीत कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या 11 हो गयी है। गत 28 मार्च को डॉ़ सावंत के अलावा आठ मंत्रियों ने शपथ ली थी। चालीस सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 20 सदस्य हैं , जबकि उसे तीन निर्दलीय और एमजीपी के दो विधायकों का समर्थन हासिल है।

घाटी में हल्की बारिश की संभावना, जम्मू में मौसम रहेगा साफ

श्रीनगर (आरएनएस)। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान कश्मीर घाटी में छिटपुट स्थानों पर बारिश के साथ बादल छाए रहने और जम्मू में मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में शनिवार को मौसम शुष्क रहा। शनिवार को कश्मीर के अधिकांश स्थानों पर बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होगी और मुख्य रूप से जम्मू क्षेत्र में मौसम साफ रहेगा। कश्मीर में दिन ठंडा रहेगा। 12 से 14 अप्रैल के बीच हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के एक बयान में कहा गया है, 20 अप्रैल तक भारी बारिश की संभावना नहीं है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में 6.0 डिग्री और गुलमर्ग में 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र के द्रास में रात का न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री, कारगिल में 2.4 डिग्री और लेह में 4.1 डिग्री दर्ज किया गया। जम्मू में न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री, कटरा में 21.7 डिग्री, बटोटे में 15.3, बनिहाल में 9.6 और भद्रवाह में 11.4 डिग्री दर्ज किया गया।

एक लडक़े के लिए 6 सहेलियों ने खाया जहर, तीन की मौत

औरंगाबाद (आरएनएस)। बिहार के औरंगाबाद जिले के कासमा इलाके से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक साथ 6 लड़कियों ने जहर खा लिया। इस घटना में अभी तक 3 लड़कियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। वहीं 3 की हालत अस्पताल में बेहद गंभीर बताई जा रही है। मामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया है। शुरूआती जांच में मामला प्रेम-प्रसंग का बताया जा रहा है। दरअसल, जहर खाने वाली लड़कियों में से किसी एक का अपने भाई के साले के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। लेकिन उसने शादी करने से इंकार कर दिया। ऐसे में लडक़ी ने जहर खा कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस घटना का पता चलते ही बाकी सहेलियों ने भी एक-एक कर के जहर खा लिया। गांव वालों ने बताया कि सभी लड़कियों में बेहद पक्की दोस्ती थी। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुँच चुकी है और आगे की जांच कर रही है।

भारतीय केले और बेबी कॉर्न ने कनाडा के बाजार में अपनी पहुंच बनाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय केले और बेबी कॉर्न के लिए बाजार पहुंच के मुद्दे पर भारत तथा कनाडा के राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठनों के बीच हुई बातचीत के परिणामस्वरूप इन वस्तुओं ने कनाडा के बाजार में अपनी पहुंच सुनिश्चित कर ली है। सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण) मनोज आहूजा और कनाडा के उच्चायुक्त माननीय कैमरून मैके के बीच 07.04.22 को हुई बैठक में कनाडा ने सूचित किया कि निर्देश डी-95-28: मक्का के लिए प्लांट प्रोटेक्शन इंपोर्ट एंड डोमेस्टिक मूवमेंट रिक्वायरमेंट्स और ऑटोमेटेड इम्पोर्ट रेफरेंस सिस्टम (एआईआरएस) के अद्यतन के बाद भारत से कनाडा को ताजा बेबी कॉर्न का निर्यात अप्रैल 2022 से शुरू हो सकता है। इसके अलावा, भारत द्वारा ताजा केले के लिए प्रदान की गई तकनीकी जानकारी के आधार पर कनाडा ने भारतीय केले को कनाडा में निर्यात हेतु तत्काल प्रभाव से स्वीकृति दे दी है। कनाडा सरकार के इस निर्णय से इन फसलों को उगाने वाले भारतीय किसानों को अत्यधिक लाभ होगा और भारत की निर्यात आय में भी वृद्धि होगी।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को दोहरा झटका, गृह मंत्रालय ने अब बेटे को किया आतंकवादी घोषित

नई दिल्ली (आरएनएस)। अभी बीते दिन ही लश्कर-ए-तैयबा के फाउंडर और मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को पाकिस्तान की एंटी टेरर कोर्ट ने 31 साल की सजा सुनाई है। इसके अगले ही दिन आज उसके बेटे पर भी बड़ी कार्रवाई की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक केंद्र सरकार ने हाफिज सईद के बेटे हाफिज तल्हा सईद को आतंकवादी घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना से यह जानकारी सामने आई है।

अधिसूचना के मुताबिक, 46 वर्षीय हाफिज तल्हा सईद भारत और अफगानिस्तान में भारतीय हितों को निशाना बनाने के लिए लश्कर-ए-तैयबा में भर्ती से लेकर धन जुटाने और हमलों की साजिश रचने तथा उन्हें अंजाम देने के कामों में एक्टिव रहता है। कई बार भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले उसके वीडियो वायरल हुए है। दोनों बाप-बेटे भारतीय मुसलमानों को भडक़ाने के लिए भी जहरीले बयान देते रहते थे।

ऐसे में हाफिज तल्हा सईद पर अब सख्त कार्रवाई करते हुए भारतीय गृह मंत्रालय ने आतंकवादी घोषित किया है। बीते दिन ही उसके पिता 70 वर्षीय आतंकवादी हाफिज सईद को भी पाकिस्तान की एंटी टेरर कोर्ट ने आतंकी संगठन की फाइनेंसिंग के लिए सजा सुनाई है।

वाराणसी की खादी संस्थाओं द्वारा निर्मित पश्मीना उत्पादों की विधिवत बिक्री शुरू

वाराणसी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी क्षेत्र में स्थित खादी संस्थाओं द्वारा निर्मित पश्मीना उत्पादों की विधिवत बिक्री शुरू हो गयी है। यह पहली बार है कि पश्मीना से बने उत्पादों का निर्माण लेह-लद्दाख और जम्मू कश्मीर क्षेत्र से बाहर वाराणसी में किया जा रहा है।

वाराणसी में खादी बुनकरों द्वारा बनाए गए पश्मीना उत्पादों का शुभारंभ खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना द्वारा वाराणसी में किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल एवं जयप्रकाश गुप्ता, सदस्य (मध्य क्षेत्र), खादी और ग्रामोद्योग आयोग भी उपस्थित थे।

अभी तक पश्मीना ऊन से बने उत्पाद केवल लेह-लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर की देन के रूप में जाने जाते थे। पश्मीना ऊन लद्दाख में पायी जाने वाली एक विशेष प्रकार की भेड़ के बालों से तैयार होती है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अथक प्रयास से एक विशेष क्षेत्र में उत्पादित होने वाले पश्मीना ऊन से बने उत्पाद अब वाराणसी व उसके आस-पास के क्षेत्र की खादी संस्थाओं के माध्यम से उत्पादित किए जा रहे है। पश्मीना ऊन की कताई लेह-लद्दाख के कतीनों द्वारा तथा बुनाई वाराणसी व उसके आस-पास क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा की जा रही है। वाराणसी में निर्मित पश्मीना उत्पादों की विधिवत बिक्री से पहले, चार मार्च को वाराणसी के बुनकरों द्वारा बनाए गए दो पश्मीना शॉल खादी आयोग के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किए थे।

सक्सेना ने बताया कि पश्मीना ऊन के उत्पादों का निर्माण वाराणसी व उसके आस-पास के क्षेत्रों में किया जाना खादी जगत के लिए एक गौरवशाली पल है। उन्होंने कहा कि इससे लेह-लद्दाख के कत्तिनों एवं वाराणसी क्षेत्र के बनुकरों को इसका लाभ मिलेगा। पश्मीना ऊन से क्षेत्र में बने उत्पाद पूरी तरह से शुद्ध होगें तथा इनमें दूसरे धागों का मिश्रण नहीं किया जाएगा। वाराणसी क्षेत्र में निर्मित उत्पादों को आयोग पूरे देश में अपने विभागीय खादी भवन तथा संस्थाओं के खादी भवनों के अतिरिक्त ऑनलाइन माध्यमों से बिक्री की सुविधा उपलब्ध करायेगा।

कर्नाटक में शोभायात्रा के दौरान भगवान राम की मूर्ति पर पथराव, इलाके में धारा 144 लागू

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के कोलार जिले में बीती रात बदमाशों ने शोभायात्रा पर पथराव कर दिया। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव है और धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पथराव के दौरान कुछ युवाओं के घायल होने और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। घटना कोलार जिले के मुलबगाल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राम नवमी की संध्या पर आयोजित शोभायात्रा शिवकेशव नगर से शुरू हुई थी और शाम करीब 7.40 बजे जहांगीर मोहल्ला पहुंची। इस दौरान बिजली गुल हो गई। इसके बाद बदमाशों ने जुलूस में शामिल भगवान राम की प्रतिमा पर पथराव किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि पथराव को बाद हंगामा हुआ और दो कारों को नुकसान पहुंचा है। इस दौरान एक दुपहिया वाहन में भी आग लगा दी गई। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है कि घटना में कुछ युवाओं को मामूली चोटें आई हैं। कोलार एसपी डी देवराज ने कहा कि शुक्रवार को जुलूस के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। उन्होंने कहा, जैसे ही बिजली की आपूर्ति रुकी, कुछ बदमाशों ने मौके का फायदा उठाया। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

कर्नाटक के गृहमंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने इस मामले में जांच की बात कही है। उन्होंने कहा, कोलार जिले के मुलाबगिलु शहर में श्री राम शोभायात्रा में पत्थर फेंके गए। मैंने पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं और इस मामले में गहन जांच की जरूरत है। उन्होंने बताया कि इसे लेकर पुलिस 4-5 लोगों से पूछताछ कर रही है।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन की बूस्टर डोज के दामों में आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली (आरएनएस)। रविवार से देश के निजी अस्पतालों में वयस्क नागरिकों को बूस्टर डोज लगनी शुरू हो जाएगी। इससे एक दिन पहले कोविशील्ड और कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर खुराकों के दामों में अप्रत्याशित कटौती की है।

शनिवार को कोविशील्ड और कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर खुराकों के दामों में भारी कटौती की है। पहले जहां कोविशील्ड की बूस्टर डोज 600 रुपए प्रति शॉट फिक्स की थी, आज इसकी कीमत 225 रुपए किया गया है वहीं, कोवैक्सीन की बूस्टर डोज की कीमत भी 225 रुपए प्रति शॉट किया गया है। इससे पहले कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर डोज की कीमत 1200 रुपए प्रति शॉट निर्धारित किया था।

अनंतनाग में मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने लश्कर कमांडर निसार डार को मार गिराया

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने लश्कर कमांडर को मार गिराया है। मारे गए लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर की पहचान निसार डार के तौर पर हुई है। आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि सिरहामा इलाके में सर्च ऑपरेशन फिलहाल जारी है।

सुरक्षा बलों की ओर कुलगाम में भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यहां भी आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली है। आईजीपी कश्मीर ने कहा, कल रात हमने दो जिले कुलगाम और अनंतनाग में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन अभियान चलाया। अनंतनाग जिले में अब तक लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकी मारा गया है। यह स्थानीय आतंकी था। कुलगाम में अब तक कोई आतंकी नहीं मिला है, लेकिन आतंकी के होने की संभावना की जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि इस साल तीन महीनों में अब तक कुल 45 आतंकी मारे गए हैं। जिसमें से 2-3 बहुत बड़े कमांडर शामिल हैं। आतंकियों के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रहेगा।

पंचायती राज मंत्रालय 11 से 17 अप्रैल तक करेगा आइकॉनिक वीक का आयोजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंचायती राज मंत्रालय आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) को यादगार बनाने के उद्देश्य से 11 अप्रैल से 17 अप्रैल, 2022 तक जन-भागीदारी की भावना से जन-उत्सव के रूप में आइकॉनिक वीक का आयोजन करेगा। संपूर्ण समाज और संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए इस महत्वपूर्ण अवसर को पूरे उत्साह से मनाने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय ने पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के स्थानीयकरण की दिशा में सभी हितधारकों के विचारों, अवधारणाओं, चिंतन, तैयारियों, तकनीकी प्रयासों, सर्वोत्तम तौर-तरीकों और अत्याधुनिक अंतर्दृष्टि को एक साथ प्रस्तुत करने के लिए पंचायतों के नवनिर्माण का संकल्पोत्सव विषय पर आइकॉनिक वीक के लिए विषयगत सम्मेलनों की एक श्रृंखला तैयार की है।

11 अप्रैल, 2022 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के बारे में राष्ट्रीय हितधारक सम्मेलन आयोजित करने के साथ सप्ताह भर चलने वाले यादगार कार्यक्रम शुरू होंगे। उपराष्ट्रपति इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे और राष्ट्रीय हितधारक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस कारण से भी इसका अधिक महत्व है। उपराष्ट्रपति उद्घाटन सत्र के दौरान सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण का लोगो, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के संचालन के बारे में राज्यों को जारी परामर्श का संकलन और ग्राम पंचायतों द्वारा उपयोग के लिए विषयगत प्रस्तुतियों के संकलन का भी विमोचन करेंगे। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। राज्यों के पंचायती राज मंत्रियों, राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों के पंचायती राज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी-पीआर), राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एसआईआरडी-पीआर) और पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को भी राष्ट्रीय हितधारक सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

आइकॉनिक वीक के दौरान राष्ट्रीय सम्मेलन एक इंटरैक्टिव और जीवंत तरीके से आयोजित किए जाएंगे। पंचायती राज मंत्रालय ने देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और जमीनी स्तर पर शासन के स्तंभों को मजबूत करने और सभी स्तरों पर पंचायतों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होने के नाते, इस आइकॉनिक वीक को इस तरह से मनाने का प्रयास किया है कि यह सम्मेलन राष्ट्रीय प्रभाव और दीर्घकालिक प्रयोजन से पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के स्थानीयकरण की दिशा में सभी हितधारकों के बीच ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान तथा साझेदारी के लिए एक उपयोगी मंच साबित हो और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा संसाधन जुटाने को लेकर पंचायती राज्य संस्थाओं के कार्यों को व्यापक समर्थन प्राप्त हो। आइकॉनिक वीक (11-17 अप्रैल, 2022) के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलनों में सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में तेजी से आगे बढऩे के लिए समृद्ध विचार-विमर्श और ठोस परिणाम देखने को मिलेंगे और यह देश के सभी हिस्सों से भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए एक अच्छा अनुभव साबित होगा।

आइकॉनिक वीक का उत्सव एक ऐसे आंदोलन के निर्माण में मदद करेगा, जो सभी हितधारकों को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति की गति में तेजी लाने के लिए प्रेरित करेगा और हमारे देश को सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रतिबद्धताओं (ग्रामीण भारत में पंचायतों के माध्यम से) को समय पर पूरा करने में मदद करेगा।